Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–137

B.A. (Part–I) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - II

(आधुनिक राजस्थानी गद्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जबाव राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सकै।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **50** सबद। हरेक सवाल 2 अंक रो है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात मांय सू किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **200** सबद। हरेक सवाल **8** अंक रो है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। उत्तर सीमा **500** सबद। हरेक सवाल **20** अंक रो है।

खण्ड–अ

1. नीचे लिख्या सवालां रा उत्तर लिखो (सबद सीमा **50** सबद) :

   (i) 'हिरणी' कहाणी में किण समस्या रै बारै में बताईज्यौ है ?

   (ii) चेतन स्वामी री कहाणी रौ कांई नाम है ?

(iii) 'नीलकंठी' कहाणी में गीता रै दूख रौ कारण कांई हो ?

(iv) 'कांचळी' कहाणी में समधा डोकरी रै लायोडी कांचळी पुसबा क्युं नी ली ?

(v) 'बंदनमाळ' गद्य रचना में प्रेम रो दृष्टिकोण कांई बतायौ हो ?

(vi) 'पूरण पुरुष कृष्ण' गद्य रचना रा लेखक कुण है ?

(vii) 'गोगाजी रा घोड़ा' रचना में किण लोक देवता रै बारै में बताईज्यौ है ?

(viii) राजस्थानी काव्य री कोई **दो** विशेषतावां बताओ।

(ix) आधुनिक राजस्थानी साहित्य री कोई दो गद्य विधावां रा नाम लिखो।

(x) राजस्थानी साहित्य रा **दो** कहाणीकारां रां नाम लिखो।

खण्ड–ब

2. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

डोकरी खटोलडी, कनै बैठी सोचै ही–अबै तो की पीळौ बादळ हुवै दीसै है। सूरज ऊगै तो कोई आवैलो ई, हे माळक रहनै भलाई ऊबार ई उठा लिए, छोरै रै की मत हुया मालक, धोळां री लाज राखै!

मास्टर रै पगां मे चाक्या बंधगी अर जीभ पर अेकर अध मिटं खातर जाणै लकवै री हवा निकळगी, धूजती–धडकती, जिन्दगी कनै जाय'र बो बात कैवै तो कैवै कियां ?

3. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

इण नगत होटलां में दूध ई नी मिलै। काठो बणावणौ पडयौ। म्है गीता रै मूंढै कानी देख्यौ। बा की घबराई। पछै होळे होळै आडी रौ अरथाव सांम्है आवण लाग्यौ म्हनै लखायौ कै गीता इण घर री कैवण नै राणी है। घर री चाबी तो किणी दूजै कनै ई है। कांई गीता इतरी दबेल है कै दूध रा पइसा ई खरच नी कर सकै। ना–ना म्हारौ अंदाज खोटो हुवै। पण गलत ई कियां मांनू ?

4. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

'कळा रौ सन्देश' सबद प्रयोग बांच'र अचंभो हुवैला। 'कळा खातर कला' री बात आजकालै सगळौ चाळै है। पण कला, कला खातर हुया ई को सकै नी। निर्विकार अर निर्विचार कला कठै है ? चित्र देखौ, गीत सुणौ अभिनय देखौ, पोथी बांचौ, इणां रौ की न की असर कांई आंपा रै मन माथै कोनी पडै ? जे इण तरै असर हुवै तो इण कला रौ सरुप किसोक है औ देखण री जरूरत है।

5. नीचै लिखी ओळियां री प्रसंग सेती व्याख्या करो :

जुग री वात चालगी जद कैणो पडै, जुग तो जुग ही है, जितो सरावो थोडो जितो थुथकारो नाखै कम, बस, कमर इती ही है कै है आंधो, बाकी चमत्कार नै नमस्कार तो करणो ही पडै, सिनेमा मे सागै वड़या जितै तो घर वस्योडो, बारै नीकळयां पछै माडी-सी छणगी, तलाक, घर इतो सांकडो हुयग्यौ कै दोनूं दोरा-दोरा ही को मावै नी पण मोकौ पड्यो भाषण तो सह अस्तित्व रा छांटसी।

6. 'घासलेट री खुश्बू' कहाणी में लेखक किण परिस्थितिया रो उल्लेख करयौ है ? स्पष्ट करो।

7. 'वंदनमाळ' गद्य रचना में लेखक रौ दृष्टिकोण स्पष्ट करावौ।

8. कहाणी विधा रौ विकास किण भांत हुयौ ? स्पष्ट करो।

खण्ड–स

9. राजस्थानी साहित्य री उपन्यास परपंरा माथै एक लेख लिखौ।

10. 'कांचळी' कहाणी में किण भांत बदलाव अर मानवीय सवेदनावां रौ नखत सांगै हास दिखायौ है। समीक्षा करो ?

11. 'पूरण पुरुष कृष्ण' गद्य रचना में कृष्ण रै व्यक्तित्व रै कुणसां गुणा रौ वरणाव मिळै ?

12. राजस्थानी सूं हिन्दी अनुवाद करो–

उपनिषद मे परमात्मा नै अणोर अणियान, महतो, महीयान कैयौ है–छोटे सूं भी छोटो अर बडै सूं भी बडो। पण परमात्मा ही नहीं, जिण जगत में परमात्मा व्याप्त है बो जगत भी, परमात्मा दाई ही अणु सूं भी अणु और महान सूं भी महान है।